

| | Sc 2006 | Sc 2008 | Sc 2010 | Sc 2012 | Sage 50 2014 | Sage 50 2016 |
|----------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|---------------------|---------------------|
| 460-078 | 978-2-922921-13-7 | 978-2-922921-39-7 | 978-2-922921-59-5 | 978-2-922921-90-8 | 978-2-924338-09-4 | 978-2-924338-31-5 |
| 460-104 | 978-2-922921-16-8 | 978-2-922921-40-3 | 978-2-922921-60-1 | 978-2-922921-87-8 | 978-2-924338-08-7 | 978-2-924338-32-2 |
| 461-074 | 978-2-922921-17-5 | 978-2-922921-41-0 | 978-2-922921-62-5 | 978-2-922921-86-1 | 978-2-924338-02-5 | 978-2-924338-27-8 |
| 461-083 | 978-2-922921-18-2 | 978-2-922921-42-7 | 978-2-922921-63-2 | 978-2-922921-89-2 | 978-2-924338-03-2 | 978-2-924338-28-5 |
| 461-122 | 978-2-922921-12-0 | 978-2-922921-37-3 | 978-2-922921-64-9 | 978-2-922921-91-5 | 978-2-924338-07-0 | 978-2-924338-26-1 |
| 461-154 | 978-2-922921-19-9 | 978-2-922921-43-4 | 978-2-922921-65-6 | 978-2-922921-85-4 | 978-2-924338-04-9 | 978-2-924338-29-2 |
| 461-175 | 978-2-922921-21-2 | 978-2-922921-44-1 | 978-2-922921-66-3 | 978-2-922921-93-9 | 978-2-924338-10-0 | 978-2-924338-33-9 |
| 461-185 | 978-2-922921-20-5 | 978-2-922921-45-8 | 978-2-922921-67-0 | 978-2-922921-96-0 | 978-2-924338-12-4 | 978-2-924338-34-6 |
| 461-195 | 978-2-922921-22-9 | 978-2-922921-46-5 | 978-2-922921-68-7 | 978-2-922921-97-7 | 978-2-924338-11-7 | 978-2-924338-35-3 |
| 461-213 | 978-2-922921-14-4 | 978-2-922921-38-0 | 978-2-922921-69-4 | 978-2-922921-92-2 | 978-2-924338-05-6 | 978-2-924338-30-8 |
| 460-596 | | | | | | 978-2-924338-36-0 |
| 460-623 | | | | | | 978-2-924338-38-4 |

| | Acomba 7 et - | Acomba 8 | Acomba 9.25 | Acomba 9.51 | Acomba 9.74 |
|----------------|----------------------|-------------------|--------------------|--------------------|--------------------|
| 460-078 | 978-2-9806670-8-4 | 978-2-922921-28-1 | 978-2-922921-47-2 | 978-2-922921-73-1 | 978-2-924338-23-0 |
| 460-104 | 978-2-922921-02-1 | 978-2-922921-29-8 | 978-2-922921-48-9 | 978-2-922921-76-2 | 978-2-924338-21-6 |
| 461-074 | 978-2-9806670-7-7 | 978-2-922921-30-4 | 978-2-922921-49-6 | 978-2-922921-71-7 | 978-2-924338-13-1 |
| 461-083 | 978-2-9806670-9-1 | 978-2-922921-31-1 | 978-2-922921-50-2 | 978-2-922921-77-9 | 978-2-924338-15-5 |
| 461-122 | 978-2-922921-00-7 | 978-2-922921-27-4 | 978-2-922921-51-9 | 978-2-922921-74-8 | 978-2-924338-17-9 |
| 461-154 | 978-2-922921-01-4 | 978-2-922921-32-8 | 978-2-922921-52-6 | 978-2-922921-72-4 | 978-2-924338-18-6 |
| 461-175 | 978-2-922921-06-9 | 978-2-922921-33-5 | 978-2-922921-55-7 | 978-2-922921-82-3 | 978-2-924338-16-2 |
| 461-185 | 978-2-922921-09-0 | 978-2-922921-34-2 | 978-2-922921-56-4 | 978-2-922921-79-3 | 978-2-924338-19-3 |
| 461-195 | 978-2-922921-10-6 | 978-2-922921-35-9 | 978-2-922921-57-1 | 978-2-922921-83-0 | 978-2-924338-20-9 |
| 461-213 | 978-2-922921-03-8 | 978-2-922921-26-7 | 978-2-922921-53-3 | 978-2-922921-78-6 | 978-2-924338-14-8 |
| 460-596 | | | | | 978-2-924338-39-1 |
| 460-623 | | | | | 978-2-924338-40-7 |

| | Édition 2008 | Édition 2010 | Édition 2012 | Édition 2014 |
|----------------|---------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| 461-042 | 978-2-922921-36-6 | 978-2-922921-61-8 | 978-2-922921-88-5 | 978-2-924338-06-3 |

| | IR 2006 | IR 2010 | IR 2011 | IR 2012 |
|----------------|-------------------|-------------------|-------------------|-------------------|
| 461-204 | 978-2-922921-25-0 | 978-2-922921-80-9 | 978-2-922921-95-3 | 978-2-922921-98-4 |

| | Dt Max 2009 | Dt Max 2010 | Dt Max 2011 | Dt Max 2012 | Dt Max 2014 | Dt Max 2017 |
|--|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|--------------------|
| | 978-2-922921-75-5 | 978-2-922921-81-6 | 978-2-922921-94-6 | 978-2-922921-99-1 | 978-2-924338-24-7 | 978-2-924338-44-5 |

| | ProFile 2008 | ProFile 2009 | ProFile 2010 | ProFile 2012 | ProFile 2014 | ProFile 2017 |
|--|---------------------|---------------------|---------------------|---------------------|---------------------|---------------------|
| | 978-2-922921-54-0 | 978-2-922921-70-0 | 978-2-922921-84-7 | 978-2-924338-00-1 | 978-2-924338-25-4 | 978-2-924338-45-2 |